ये नये प्रश्ना

B. Ed 2nd year

6th may
Wednesday

समावेशी शिक्षा

शैक्षिक संस्थाओं में ई-लर्निंग की व्यवस्था

E-learning- व्यक्तिगत शिक्षण तथा सामूहिक कक्षा शिक्षण में वैयक्तिक व प्रयोगात्मक अधिगम के लिए प्रभावी सहयोग प्रदान करता है। यह विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है।

वर्तमान समाज की सूचना क्रान्ति के युग में ई-लर्निंग अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान समय में शैक्षिक संस्थाओं में ई-लर्निंग को सकारात्मक दृष्टिकोण से विकसित करने के लिए निम्न उपाय किए जा रहे हैं —

1⇒ विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों व शिक्षकों को ई-लर्निंग से मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए ओरिएन्टेशन कार्यक्रमों की व्यवस्था होनी चाहिए।

2⇒ विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों व शिक्षकों को इन्टरनेट, बहुसंचार माध्यमों, वेब तकनीकी आदि की सुविधाओं के साथ-2 उनके प्रशिक्षण की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

3⇒ शिक्षकों व विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों के मध्य सम्प्रेषण के लिए ई-मेल, ऑडियो-विडियो कान्फ्रेंसिंग, चैट आदि की सुविधा होनी चाहिए।

4⇒ स्कूल तथा कक्षाओं के लिए वेबसाइट का विकास एवं उपयोग करते समय ध्यान रखना चाहिए। कि स्थानीय आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार अधिगम उद्देश्यों का निर्धारण विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों की आयु, मानसिक स्तर के अनुकूल होना चाहिए।

5⇒ वेब पेजों पर अधिगम सामग्री के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वेब ब्राउजर या माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज इन्टरफेस का प्रयोग करना चाहिए। जिससे कम्प्यूटर के प्रयोग का कम ज्ञान रखने वाले विशिष्ट एवं सामान्य छात्र भी इसका प्रयोग कर सकें।

6⇒ शिक्षकों को भी ई-लर्निंग से सम्बन्धित जानकारी जैसे कक्षा प्रबन्धन के उपकरणों के वेबसाइट, ग्रेडिंग एवं ऑनलाइन मूल्यांकन, अभ्यास एवं पुनरावृत्ति से सम्बन्धित समस्याएँ, उपचारात्मक, परीक्षण तथा नियनात्मक परीक्षण तथा निदानात्मक शिक्षण का ज्ञान, अनुदेशन कार्यों के लिए पाठ योजना व इकाई योजना विभिन्न व्यवहारिक समस्याओं आदि का ज्ञान होना चाहिए।

Assis Pro — Sapna Tyagi B.R.C Deoband

Scanned with CamScanner